PMA2020 वॉश संक्षेप

PMA2020/राजस्थान, इंडिया

मई - जुलाई 2018 (चरण 4)

Performance Monitoring and Accountability 2020 (PMA2020) के अंतर्गत परिवार नियोजन तथा जल, स्वच्छता, व साफ-सफाई (वॉश) के महत्त्वपूर्ण संकेतकों की मोनिटरिंग के लिए कम लागत व त्वरित सर्वेक्षण हेतु मोबाइल तकनीक का उपयोग किया जाता है। इस परियोजना का क्रियान्वयन 11 देशो में स्थानीय विश्वविद्यालय तथा शोध संस्थानों द्वारा मोबाइल के माध्यम से सूचनाएं एकत्रित करने में प्रशिक्षित स्थानीय महिला एनुमेरेटर के माध्यम से किया जा रहा है। इस परियोजना का संचालन भारतीय स्वास्थ्य प्रबंध शोध संस्थान (IIHMR) विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा किया जा रहा है। इस हेतु तकनीकी सहयोग एवं समर्थन अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान (IIPS) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) द्वारा प्रदान किया गया है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन अनुदानित इस परियोजना का संचालन जोहन्स होपकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ़ पब्लिक हैल्थ स्थित बिल एंड मेलिंडा गेट्स जनसँख्या एवं प्रजनन स्वास्थ्य संस्थान तथा जोहन्स होपकिन्स यूनिवर्सीटी वाटर इन्स्टीट्यूट के दिशानिर्देश व सहयोग से किया जा रहा है

अधिक जानकारी हेतु कृपया http://www.pma2020.org पर जाएँ|

जल, स्वच्छता, व साफ-सफाई (वॉश) के मुख्य संकेतक

परिवार मे शौचालय की मुख्य सुविधा (n=4,690)

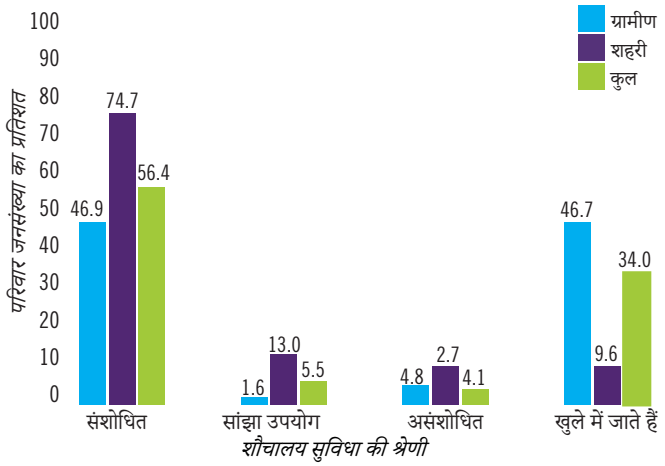

संशोधित एवं साँझा उपयोग, दोनों प्रकार की शौचालय सुविधाओं का उपयोग शहरी क्षेत्रों में अधिक है | खुले में शौच का व्यवहार ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है

खुले में शौच का व्यवहार (n=4,772)

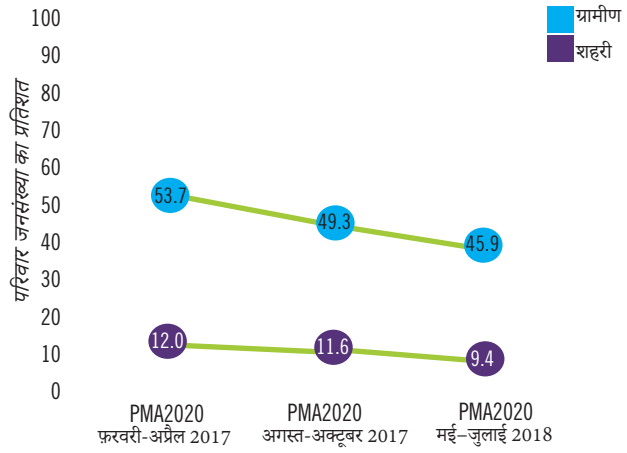

विभिन्न चरणों के डाटा कलेक्शन में यह पाया गया कि खुले में शौच सम्बंधी व्यवहार, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, लगातार कम हो रहा है|

बच्चों के अपशिष्ट (मल का प्रबंधन) (n=1,894)

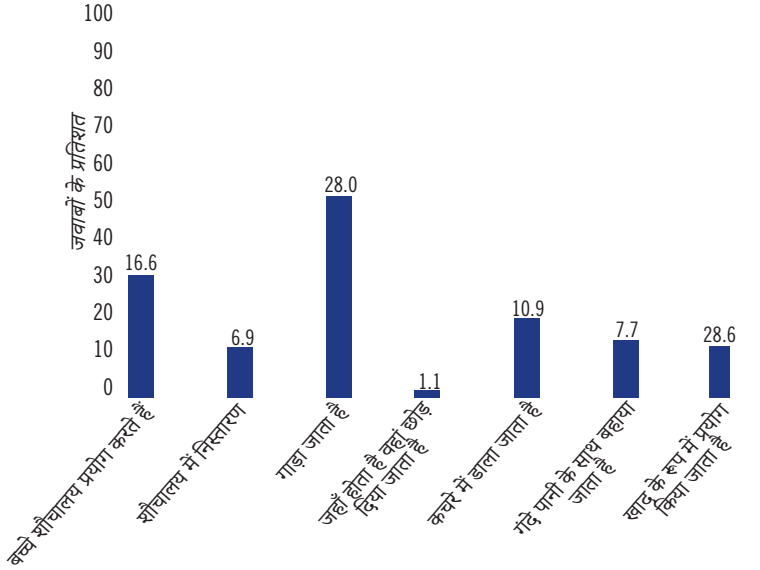

घरेलू शौचालय सुविधाओं को साझा करना (n=3,062)

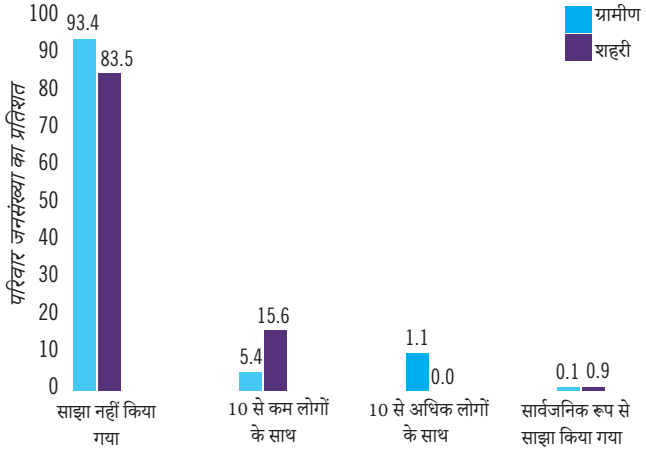

राजस्थान में अधिकांश घरेलू निवासी अन्य लोगों के साथ शौचालय की सुविधा साझा नहीं करते हैं|

JOHNS HOPKINS BLOOMBERG SCHOOL of PUBLIC HEALTH
BILL & MELINDA GATES INSTITUTE for POPULATION and REPRODUCTIVE HEALTH
JOHNS HOPKINS WATER INSTITUTE
PMA2020

PMA2020/राजस्थान, इंडिया

जल, स्वच्छता, व साफ-सफाई (वॉश) के संकेतकों को चुनें

हाथ धोने के स्थान के प्रकार (n=4,772)

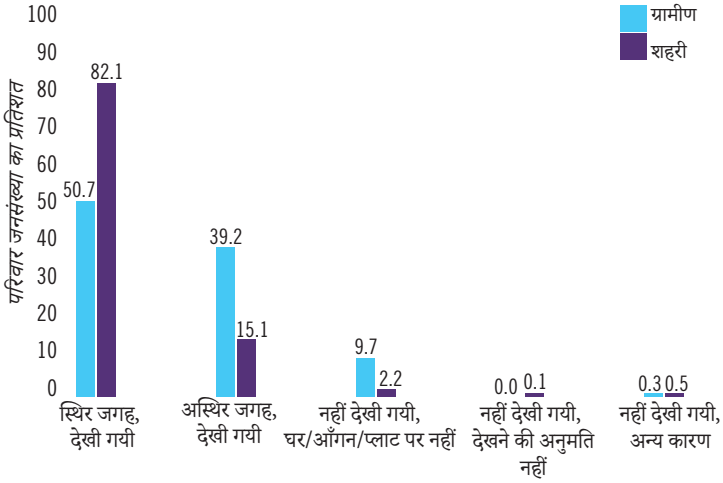

82.1% शहरी परिवारों और 50.7% ग्रामीण परिवारों के पास एक निश्चित हाथ धोने का स्थान था; कम ही प्रतिशत में हाथ धोने के स्थान अस्थिर पाये गये।

हाथ धोने के स्थान कि विशेषताएं (n=4,336)

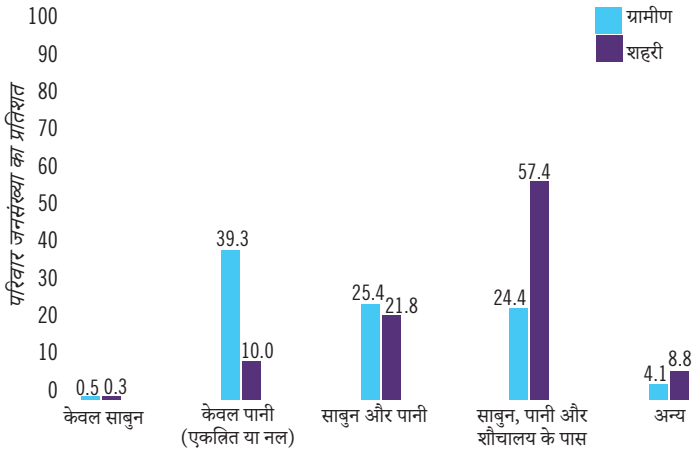

उन परिवारों में जहां एक हाथ धोने का स्थान देखा गया था, 57.4% शहरी परिवारों और 24.4% ग्रामीण परिवारों के पास अपने हाथ धोने के स्थान पर साबुन और पानी उपलब्ध था, और यह एक शौचालय सुविधा के पास भी था।

पेय जल के मुख्य स्रोत पर निर्भरता (n=4,772)

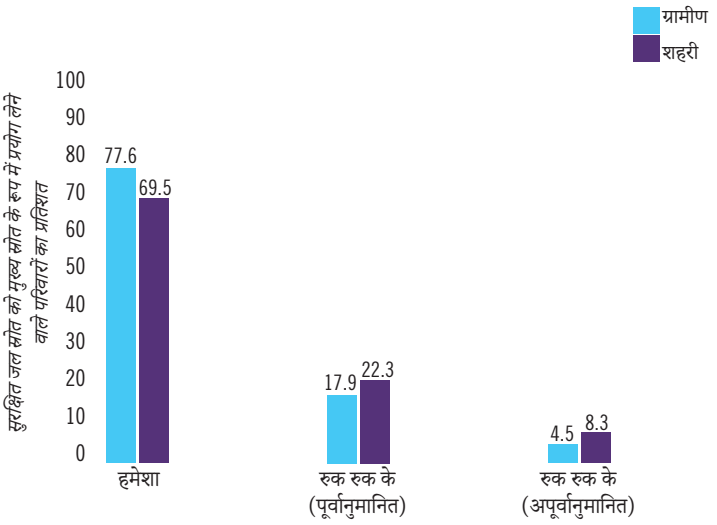

जिन परिवारों का मुख्य जल स्रोत सुरक्षित है उनमें से 74.8% ने बताया कि ये हमेशा उपलब्ध रहता है

सुरक्षित पेयजल का उपयोग करने वाले परिवार, जाति के अनुसार (n=4,772)

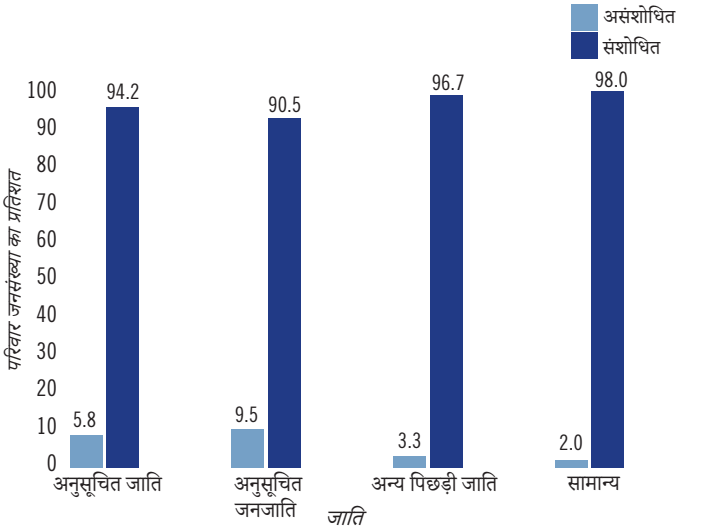

राजस्थान में अधिकांश घर, मुख्य घरेलु जल स्त्रोत के रूप में संशोधित जल स्रोत पर निर्भर है

सैंपल डिजाईन

PMA2018/राजस्थान चरण 4 सर्वेक्षण हेतु द्वी-स्तरीय क्लस्टर डिजाईन का उपयोग किया गया है। अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान द्वारा मास्टर सेंपलिंग फ्रेम के माध्यम से 147 गणना क्षेत्रों (EA) का सेंपल निकाला गया था। प्रत्येक (EA) में से परिवारों एवं स्वास्थ्य संस्थाओं की सूचियाँ एवं मैप तैयार किए गये, जिनमें से 35 परिवारों का रैंडम विधि से चुनाव किया गया। परिवारों का सर्वेक्षण किया गया एवं उनमें रहने वाले सदस्यों की प्रगणना की गयी। अंतिम पूर्ण सेम्पल में 4933 परिवार (98.3 % रेस्पोन्स रेट), 5832 महिलाएं (98.4 % रेस्पोन्स रेट), एवं 610 स्वास्थ्य प्रदाता (97.6% रेस्पोन्स रेट) शामिल की गयीं। लिए गए अधिक सैंपल की पूर्ती के लिए वेट्स का उपयोग किया गया है। सभी आंकड़े वेटेड हैं। सूचनाएं मई से जुलाई 2018 के दौरान एकत्रित की गयीं हैं। सुरक्षित एवं असुरक्षित जल स्रोतों एवं शौचालय सुविधाओं की परिभाषाएं WHO / UNICEF के संयुक्त मोनिटरिंग कार्यक्रम में प्रयोग की गयी परिभाषाओं के अनुरूप हैं

फोटो श्रेयः रजत कुमार दास (2007), फोटोशेयर के सौजन्य से

IIHMR UNIVERSITY

PMA 2020